3:32

20240524_1

www.enavabharat.com

तापमान 34.9°C | 28.9°C

मुंबई, शुक्रवार
24.5.2024

/enavabharat

31 ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्रवाई से मुंबई नहीं बची

मुंबई नवभारत प्लस

महारेरा ने रद्द कर दिया 20 हजार एजेंटों का रजिस्ट्रेशन

कारोबार करने पर लगेगी रोक

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. 1 जनवरी 2024 से रियल एस्टेट एजेंट के एजेंट तब तक कारोबार नहीं कर सकेंगे, जब तक वह महारेरा द्वारा रियलटिंग प्रक्रियाएं पूरा नहीं कर लेते और प्रमाण देने के बाद रियल्टर कार्ड वेबसाइट पर अपलोड नहीं कर देते. जिसे जानकारी के अनुसार, करीब 20 हजार एजेंटों ने अभी तक ये कार्ड पूरे नहीं की हैं. यदि प्रमाणपत्र जारी भी किया गया है तो अब तक उसे वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया गया है. इस वजह से महारेरा ने अब इन सभी का रीजस्ट्रेशन रद्द करने के लिए रद्द करने का फैसला किया है. यदि ये एजेंट कार्य की अवधि के दौरान एजेंट प्रशिक्षण संबंधित प्रमाणपत्र प्राप्त कर लेते हैं और उसे वेबसाइट पर पंजीकरण करा लेते हैं, तो उनका स्वतंत्रीय नवीनीकरण कर दिया जाएगा. लेकिन जो लोग इस कार्य के पीछे जाकर नहीं देते, उनका पंजीकरण कार्य के बाद स्वयंहीन रूप से रद्द कर दिया जाएगा. इसके बाद वे 5 महीने तक आवेदन नहीं कर सकेंगे. 6 महीने बाद नया रीजस्ट्रेशन लिया जा सकता है.

एजेंट का लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया घोषित

नई एजेंटों के महारेरा में रजिस्टर्ड एजेंटों के रूप में उनका पंजीकरण रद्द करने का अनुमति दिया है. इसलिए महारेरा ने इस पंजीकरण को रद्द करने की प्रक्रिया की घोषणा की है. तदहित ही रियलटिंग प्रक्रम में महारेरा के रियलटर्स (एजेंटिकरण) रेगुलेशन) 2017 का संशोधन करने का प्रस्ताव भी है. तदहित ही रियलटिंग प्रक्रम में महारेरा के रियलटर्स (एजेंटिकरण) रेगुलेशन) 2017 का संशोधन करने का प्रस्ताव भी है.

नाला सफाई पर घिरी बीएमसी

मानसून कमिंग सून, नाले ढाएंगे कहर, सड़क पर उतरे आयुक्त व अधिकारी

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क: नाला सफाई को लेकर की हुई खाल भी बीएमसी के कार्यों को लेकर सवालात उठने लगे हैं. बीएमसी पर नाला सफाई के काम में घोटालों के आरोप लगे हैं. अनुकूल भूषण सगणी सहित आला अधिकारी सड़कों पर उतर आए हैं और औचक निरीक्षण कर हकीकत जानने के काम में जुट गए हैं. मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ और मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने बीएमसी प्रशासन पर आरोप लगाए हैं. नाला सफाई के कार्यों को मानसून से पहले खत्म करने का निर्देश बीएमसी प्रशासन ने संबंधित ठेकेदारों को दिया था. भारी बारिश के दौरान जल जमाव ने ही इसलिए महानगर के प्रति-कई नालों से कचरा निकालना जा रहा है. इस साल मानसून से पहले पहले 31 मई तक कुल 10 लाख 21 हजार 792 मीट्रिक टन कचरा निकालने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. हाल में लालबाग़ करने वाली 31 ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्रवाई भी की गई थी. हालांकि अब सफाई काम में घोटाला होने का आरोप लगा है.

एक्शन में बीएमसी आयुक्त - आयुक्त भूषण गगराणी ने सायन्स नदी और मीठी नदी का आकस्मिक दौरा किया. इसमें मीठी नदी जंक्शन से कचरा निकालने और नदी के चौड़ीकरण, सुरक्षा दीवार के निर्माण आदि कार्यों का जायजा लिया. नदी के दक्षिणी हिस्सों का चौड़ीकरण का मामला अदालत में विचाराधीन है. आयुक्त ने न्यायालय से आदेश लेकर यहां के निर्माण कार्यों का शुरुआत और पास पर आगर की जांच कर उनका पुनर्गठन करने का निर्देश दिया है.

99. 97 फीसदी काम पूरा !

नाला सफाई का कितना काम पूरा हुआ है. उसी बीएमसी अधिकारियों ने तथ्य आंकड़ा नहीं दिया है. लेकिन बीएमसी की अतिरिक्त वेबसाइट के अनुसार नाला सफाई का 99.97 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है. इसमें लक्ष्य में से 21 प्रतिशत, पूर्वी उपनगर - 92.71 प्रतिशत, पश्चिमी उपनगर - 99.61 प्रतिशत, मीठी नदी - 94.83 प्रतिशत और छोटे नालों की सफाई 100 फीसदी पूरा हो चुका है. मुंबई में नालों और मीठी नदी की कुल लंबाई लगभग 280 किमी है. मुंबई और उपनगरों में 309 बड़े नाले, 1508 छोटे नाले, 2000 किमी सड़क किनारे नालों हैं जो पानी नदियों से होकर बहते हैं.

689	मुंबई में नालों और मीठी नदी की कुल लंबाई
97.21 प्रतिशत	शहर में
93.77 प्रतिशत	पूर्वी उपनगर
309	बड़े नाले
1508	छोटे नाले
95.61 प्रतिशत	पश्चिमी उपनगर
2000 किमी सड़क	किनारे नाले
94.83 प्रतिशत	मीठी नदी

बीएमसी अधिकारी भी अलर्ट मोड पर

अतिरिक्त मनपा आयुक्त (पश्चिम उपनगर) डॉ. सुधाकर शिंदे ने भी बांद्रा के एसवीरोडी नाला, अंधेरी के रामदास नाला, अंधेरी सबवे, सायन सबवे, गांधी मार्केट में सायन्स नदी, साकिविहार में पोईसर नदी और नगरों का जायजा लिया. उन्होंने मेट्रो-6 के स्टार इंडिया के दौरा. उन्होंने दूसरे तीन चार चरण दो सबवे जहां पंपिंग का काम चल रहा है उन्हें भी पूरा करने की सूचना एमएमआरडीए प्रशासन को दी है.

नाला नहीं हाथ की सफाई

बांद्रा पूर्व की मुंबई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ के अनुसार बीएमसी का 75 प्रतिशत नाला सफाई का दावा पूरी तरह झूठा है. नाला सफाई नहीं बल्कि 'हाथ की सफाई' हो रही है. नाला सफाई में हुई गड़बड़ी के पर्याप्त की शिकायत है. पालक प्रभारी नियंत्रकों से बार-बार संपर्क करने पर भी उनसे संपर्क नहीं हो पाया. नाला सफाई घोटाले की पूरी जांच की मांग की जाएगी. मुंबई के अन्य हिस्सों के हाल भी कुछ ऐसे ही हैं. सांताक्रुज पश्चिम और अंधेरी के पिछड़ा बीएमसी अधिकारियों के काम की समीक्षा करेगा है.

आंकड़ों और वास्तविकता में अंतर

बांद्रा पूर्व अध्यक्ष व विधायक आशीष शेलार ने मुंबई की बीएमसी पर नाला सफाई कार्य का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, बीएमसी द्वारा किए गए दावों के विपरीत हैं. हमारी टीमों ने नालों का निरीक्षण किया. हमारी टीमों ने पाया कि बीएमसी अधिकारियों द्वारा दिए गए आंकड़ों और वास्तविकता में अंतर है. नालों की सफाई अभी तक नहीं हुई है. दौरों टीमों को लेकर मुंबईकरों की जेब से हजार करोड़ रुपये बीएमसी चले गये हैं. हम दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों द्वारा दिए गए आंकड़ों और वास्तविकता में अंतर है. मुंबई में हुई उन्होंने कहा कि मुंबई में हुई बारिश के दौरान जल जमाव की समस्या बनी हुई है. मुंबई के अन्य हिस्सों के हाल भी कुछ ऐसे ही हैं. सांताक्रुज पश्चिम और अंधेरी के पिछड़ा बीएमसी अधिकारियों के काम की समीक्षा करेगा है.

फर्जी डिग्री बनाने वाले पर FIR दर्ज

मुंबई, आजाद मैदान पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मुंबई विश्वविद्यालय की फर्जी डिग्री बनाने और उसे प्रयोग के लिए विदेशी मंत्रालय में जमा करने के आरोप में मामला दर्ज किया है. पायले में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है. मुंबई विश्वविद्यालय के उप निबंधक विनय का एक अधिकारी है. शिकायत मलीन विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वेब आईडी पर एक संपूर्ण राज्य अधिकारी के विश्वविद्यालय से एक ई-मेल प्राप्त हुआ था. जिसमें एक व्यक्ति के मुंबई स्थित विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक की डिग्री प्रमाणपत्र के सत्यापन के लिए कहा गया था. जो उन्हें 5 अप्रैल को प्राप्त हुआ था. विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने उनका दिखी प्रमाणपत्र को सत्यापन के लिए दक्षिण-मुंबई स्थित एक कॉलेज में भेजा था.

विदेश में प्रवेश पाने के लिए बनाया था फर्जी डिग्री

करी रोड-लोअर परेल में पानी संकट

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क: महानगरपालिका जल बोर्ड परेल में 1200 मिमी व्यास फ्लैनवर्ड पाइप का आठ मार्गदर्शन कार्य किया जाएगा. इसीलिए आज शुक्रवार को सुबह तीन घंटे के लिए कई क्षेत्रों में पानी नहीं आएगा. जो महालक्ष्मी के भोईवाड़ा पास, डिलक्सन रोड, करी रोड और लोअर पास क्षेत्र में पानी की आपूर्ति बंद रहेगी. बीएमसी के अनुसार, आज सुबह 4.30 बजे से 7.30 बजे तक पानी की आपूर्ति नहीं होगी. लोगों से पानी का संयमित इस्तेमाल करने की अपील की गई है. रेस कोर्स परिसर में पाइप में छोटे सुराख की रात कई रिसाव पर पानी रिसाव रोक गया था. इस रिसाव को रोकने के लिए जल अभियंता विभाग के कर्मचारी युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं.

आज कई क्षेत्रों में नहीं आएगा पानी

इस लीक के मरम्मत का काम आज दोपहर तक पूरा कर लिया जाएगा. इसलिए जी व्यापार विभाग के भोईवाड़ा पास, डिलक्सन रोड, करी रोड और लोअर परेल क्षेत्र में पानी की आपूर्ति सुबह तीन घंटे के लिए प्रभावित रहेगी.

विस्फोट से दहला डोंबिवली

केमिकल कंपनियों में आग से अब तक जा चुकी है कईयों की जान

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क: डोंबिवली एमआईडीसी की एक कंपनी में एक बार फिर भीषण में विस्फोट हुआ है. गुरुवार को हुई दुर्घटना में दुर्घटना में 6 की मौत हुई है एवं 64 से अधिक घायल हुए हैं. विस्फोट इतना भयंकर था कि कारखे दूर की इमारतों में रहने खिड़कियों के शीशे टूट का बिखरा गए. अगल बगल के कारखानों एवं इमारत के लोग भय में भी आग लग गयी. दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जिम्मेदारियों आर्थिक जिम्मेदारों की जांच का आदेश दिया है. डोंबिवली एमआईडीसी में आग लगने का कारण पटना की खोजना पटना जारी है. डोंबिवली कंपनियों में आग की घटनाओं से अब तक कईयों की जान जा चुकी है. दुर्घटना के बाद जांच के आदेश दिए जाते हैं लेकिन 'जांच रिपोर्ट ठंडे बस्ते में डाल दी जाती है. सही मायने में डोंबिवली एमआईडीसी क्षेत्र की अधिकारियों में काला कारनामे के साथ से आग -काल के क्षेत्र में रहने वाले लोगों की जिंदगी राम भरोसे - ही है. डोंबिवली एमआईडीसी में 7 साल पहले 24 मई 2016 को प्रोबेस कंपनी में विस्फोट हुआ था. इस दुर्घटना में 12 की मौत हुई थी जबकि 100 से अधिक घायल हुए थे. दुर्घटना के बाद जांच रिपोर्ट होने की बात की जिम्मेदारियों को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हो पाई थी लेकिन बाद में जांच रिपोर्ट ठंडे बस्ते में डाल दी गयी.

मृत व्यक्ति के परिवार को 5 लाख का मुआवजा

मोहन सिंह ने कहा है कि आगजनी कंपनियों को विस्फोट के रूप में इंजीनियरिंग, कंपाउंड और अन्य उत्पादन प्रक्रियाओं कंपनी में परिचालन कर उसी जगह पर दुर्घटनाग्रस्त कंपनी कंपनी मुख्यमंत्री सहायता निधि एवं आपदा निधि एवं आपदाग्रस्त में आकर कईं मरीजों का हाल जाना. उन्होंने डिंबोलीकरों से बुरा व्यक्ति के परिवार को 5 लाख का मुआवजा देने की घोषणा की है.

MIDC अस्पताल में भर्ती घायल

अंकुश कुमार (32) ओमेश कंपनी, जानकी नगर (41) फिनोलेक्स केमिकल रविंद्र कुमार राम (32) कोनमेक्स कंपनी, अविनाश मिश्रा (26) डोंबिवली कंपनी, सुनील कुमार (31) डोंबिवली कंपनी, दिनेश कांबले (42), दिनेशन कंपनी, दिनेशन निवासी (20), मनोज कुमार, हनुमंतप्पा मादुरा (34), रेमा कन्नोजिया (21), मधुरा पोटे (33), सुलतान मोहन (28) अंबिके फोटोनेक्स (46), विजय गुप्ता (21), संजय कुमार साहनी (24), विजयी कंपनी, जगत मोहते (28) घायों हनुमंतप्पि, दिनेश साहनी (34) मलार प्रेशिन प्रेस , रवि कुमार (21) सचिन हनुमंतप्पेकर , नेजल पांडित (22) मधुरा हनुमंतप्पि , विजय मोहते (28)सचिन हनुमंतप्पेकर , सुनकर कन्नोजिया (24) रेमेश्वर कलर , सतत राम (30) कनिनका कंपनी , राम पोलाम (70) राम लाल हनुमंतप्पि.

चिंताजनक मानसून पर टिकी निगाहें, जलाशयों में सिर्फ 10 फीसदी पानी

मुंबई में गहराता जा रहा पानी का संकट

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क: देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में जल संकट गहराने लगा है. महानगर में जलापूर्ति करने वाले जलाशयों में सिर्फ 10 फीसदी पानी ही शेष रह गया है. जो पिछले 3 वर्षों की तुलना में सबसे कम है. ऐसे में मानसून पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं. अप्रैल और मई के महीने के दौरान औसत जल भंडार आमतौर पर हर साल 20-25 प्रतिशत के बीच होता है. एक प्रतिशत पानी का स्टॉक तीन दिनों तक चलता है. इस औसत से जलाशयों में 30 दिनों का पानी शेष बचा है. बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार गुरुवार को सातों झीलों का जल भंडार 148743 मिलियन लीटर पानी 10.28 प्रतिशत था. जबकि 2023 में इसी दिन जल भंडार 15.99 प्रतिशत और वर्ष 2022 में 20.63 फीसदी था. अगर वैतरणा झील सूखने को कगार पर है. पिछले साल की तुलना में इसी अवधि तक इस वर्ष उपलब्ध जल भंडार 82756 मिलियन लीटर लगभग 3 फीसदी कम है.

82756 मिलियन लीटर जल भंडार

पिछले साल इसी अवधि में 331496 मिलियन लीटर पानी था. पिछले साल 10 प्रतिशत पानी की कटौती की गई थी.

प्रति दिन 4,200 मिलियन लीटर पानी की जरूरत

मुंबई. उसी तथा पालिका जिले में स्थित सात जलाशयों भातसा, अपर वैतरणा, मध्य वैतरणा, तानसा, मोडक सागर, विहार और तुलसी से रोजाना पानी की आपूर्ति मुंबई में की जाती है. मुंबई को प्रतिदिन 4,200 मिलियन लीटर पानी की जरूरत है. बीएमसी वर्तमान में केवल 2,850 मिलियन लीटर जलापूर्ति कर रही है. मौसम विभाग ने इस बार समय पर मानसून के पहुंचने और उसके सक्रिय होने की संभावना जताई है.